इंडसइंड बैंक में है खाता तो होगी पैसों की होम डिलिवरी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के दिग्गज स्टेट बैंक ऑफ इंडिया सहित कई बैंकों ने एटीएम निकासी पर शुल्क लेना शुरू कर दिया है। साथ ही ये बैंक अपने एटीएम से निकासी करने पर भी चार्ज ले रहे हैं। ऐसे में इंडसइंड बैंक असीमित निकासी की सुविधा के साथ कई प्रीमियम बैंकिंग सर्विसेज भी मुफ्त में दे रहा है। इतना ही नहीं यह नकदी की होम डिलिवरी की सुविधा भी दे रहा है। असीमित एटीएम निकासीः इंडस-इंड बैंक की वेबसाइट के अनुसार बैंक के ग्राहक देशभर में से किसी भी जगह से बैंक के एटीएम से असीमित निकासी कर सकता है। यह मुफ्त सेवा है। मुफ्त चेक पिकअप सुविधाः यह बैंक अपने ग्राहकों को फ्री चेक पिकअप सुविधा मुहैया करा रहा है। जानकारी के लिए बता दें कि इस सुविधा का लाभ प्रत्येक कस्टमर दिन में एक बार ले सकता है। इस प्रकार ग्राहक अपने घर बैठे अपना चेक जमा करा सकते हैं। नकद पिकअपः यह बैंक चेक पिकअप के साथ-साथ घर से नकद पिकअप की भी सुविधा दे रहा है। ग्राहकों को इसके लिए केवल बैंक को जानकारी देनी होगी। इसके बाद बैंक का एग्जीक्यूटिव आपके घर आकर कैश को लेगा और आपके बैंक खाते में जमा कर देगा। इस सेवा का फायदा एक दिन एक ही बार लिया जा सकता है। साथ ही एक दिन में अधिकतम एक लाख रुपये तक नकद बैंक पिकअप कर सकता है। कैश की होम डिलीवरीः इंडसइंड बैंक चेक और कैश पिकअप के साथ-साथ कैश की होम डिलिवरी भी करेगा। बैंक के मुताबिक ग्राहक इस सुविधा का लाभ एक दिन में एक ही बार ले सकता है। साथ ही ग्राहक एक लाख रुपये तक का ही कैश की मांग कर सकता है। सीधे बैंक एग्जेक्यूटिव से होगी बातः इस बैंक के साथ बात करने के लिए आप सीधे एग्जीक्यूटिव से संपर्क कर सकते हैं। आपको अन्य बैंकों की तरह आईवीआर को नहीं झेलना पड़ेगा। चेक के मिलेंगे फोटोः एक महीने के दौरान ग्राहक जितने भी चेक जारी करेंगे, उन सबके चेक के फोटो आपको बैंक स्टेटमेंट के साथ मिलेंगे। इसकी मदद से न केवल इश्यू किए गए चेक्स की कॉपी रहेगी, बल्कि ग्राहक को इन्हें याद रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

प्रो कबड्डी लीगः पटना के पाइरेट्स के सामने फीके साबित हुए जयपुर पिंक पैंथर्स

कोलकाता। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के सीजन-5 में पटना पाइरेट्स की टीम ने इंटर जोनल मैच में मंगलवार को जयपुर पिंक पैंथर्स को एकतरफा मैच में 26 अंकों के विशाल अंतर से हरा दिया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस मैच में पटना ने जयपुर को 47-21 से मात दी।

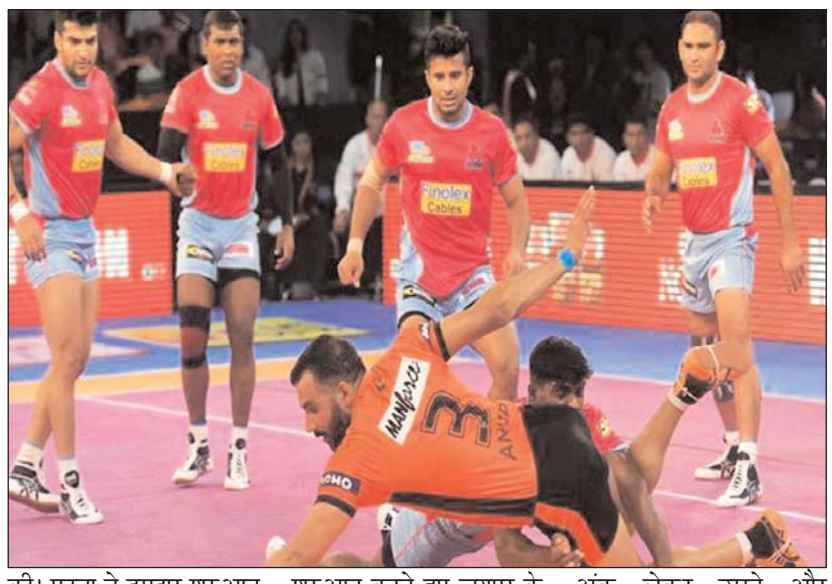

पूरे मैच में जयुपर की टीम पटना के बेहतरीन और आक्रमक खेल के सामने फीकी नजर आ रही थी। पटना के कप्तान प्रदीप नरवाल के खेल का खासतौर पर जयपुर के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 22 रेड डाली जिसमें से 21 में सफलता हासिल की। पटना ने दमदार शुरुआत की और जयपुर को दबाव में रखा। उसने 4-1 से अच्छी शुरुआत करते हुए जयपुर के माथे पर शिकन ला दी थी। इस बढ़त को लगातार चार अंक लेकर उसने और मजबूत कर लिया। पटना की टीम 8-1 से आगे थी और जयपुर पर ऑल आउट का खतरा मंडरा रहा था। सातवें मिनट में पटना ने जयपुर को ऑल आउट करते हुए स्कोर 11-2 कर लिया। मैट पर दोबारा पूरी टीम के साथ उतरी जयपुर की टीम ने यहां से कुछ अंक लेने शुरू किए, लेकिन हाफ टाइम तक वह पटना की बराबरी नहीं कर सकी। पटना की टीम हाफ टाइम में 19-9 की बढ़त के साथ उतरी।

हाफ टाइम तक ही अपने खाते में नौ रेड अंक डाल चुके पटना के कप्तान प्रदीप नरवाल ने आते ही अपना सुपर-10 पूरा किया और टीम के खाते में एक अंक जोड़ा। पटना ने दूसरे हाफ में भी अपनी फॉर्म बरकरार रखी और लगातार आठ अंक लेकर जयपुर की वापसी को नामुमकिन कर दिया। जयपुर की टीम दबाव में बिखर गई और अंक लेने के चक्कर में ऊतावली होकर वह गलती पर गलती कर बैठी। इसका फायदा पटना को हुआ जिसे अंक बटोरने के लिए कुछ ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। जयपुर पर दबाव इतना था कि वह अंकों के अंतर को भी कम नहीं कर पाई और दूसरे हाफ में उसने सिर्फ 12 अंक जुटाए। उसके लिए सर्वाधिक आठ अंक अजीत सिंह ने हासिल किए जबकि पवन कुमार ने सात अंक लिए।

सीमा शुल्क विभाग ने दी सेल्फ सीलिंग प्रक्रिया को इजाजत

नई दिल्ली। सीमा शुल्क विभाग ने निर्यातकों को एक और सहूलियत देने का फैसला किया है। इसके तहत वे निर्यात होने वाले कंटेनरों को पहली अक्टूबर से अपने आप ही सील कर पाएंगे। विभाग ने इसके लिए खुद सील करने की प्रक्रिया को मंजूरी दे दी है। इस कदम का मकसद निर्यातकों के लिए भरोसे पर आधारित अनुपालन का माहौल मुहैया कराना है। केंद्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) पहले एक सितंबर से नई व्यवस्था लागू करना चाहता था। सीबीईसी ने इस संबंध में देश भर के सभी प्रिंसिपल चीफ कमिश्नरों को सर्कुलर जारी किया है। इस सर्कुलर के मुताबिक वे निर्यातक जो फैक्टरी परिसर में ही सीमा शुल्क विभाग के अफसरों की देखरेख में कंटेनर सील कर रहे थे, अब खुद ही सीलिंग करने के लिए पात्र होंगे। ऐसे स्वीकृत परिसर में खुद से की जाने वाली सीलिंग की व्यवस्था तब तक मान्य रहेगी, जब तक कि उसे रद नहीं कर दिया जाए। हालांकि, परिसर बदलने पर इसके लिए विभाग से नई मंजूरी लेनी होगी। सीबीईसी के अनुसार उसने फील्ड अफसरों से कहा है कि वे अधीक्षक स्तर के अधिकारी को इस प्रक्रिया के लिए नोडल अफसर बनाएं। यह अधिकारी रीडर-स्कैनर स्थापित कराने की व्यवस्था में तालमेल करेगा। कंटेनर सील करने की नई प्रक्रिया में निर्यातक को ऑनलाइन इंटीग्रेटेड शिपिंग बिल फाइल करते समय ही ई-सील के फिजिकल सीरियल नंबर की घोषणा करनी होगी। इसमें उसे ई-सील नंबर, सीलिंग का समय और तारीख, निर्यात के लिए गंतव्य कस्टम स्टेशन, कंटेनर नंबर और ट्रेलर ट्रैक नंबर भी सीमा शुल्क विभाग को बताना होगा। अगर वह मैनुअल शिपिंग बिल का इस्तेमाल करता है तो उसे बंदरगाह के लिए कंटेनर को डिस्पैच करने से पहले ऐसा करना होगा। इसके लिए निर्यातक खुद ही रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडी (आरएफआइडी) सील वेंडरों से खरीदनी पड़ेगी। यदि कंटेनर की आरएफआइडी सील से छेड़छाड़ का पता चलता है, तो कस्टम अधिकारी अनिवार्य रूप से इसकी जांच करेंगे।

यूं चुपचाप सरकार के दबाव में आए बिना आरबीआई की नीतियों को बढ़ा रहे हैं उर्जित

नई दिल्ली। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की चेयरपर्सन जेनेट येलेन के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के साथ बहुत अच्छे संबंध नहीं हैं, लेकिन वित्त मंत्री स्टीवन टर्नेर के साथ उनके अच्छे कामकाजी संबंध हैं। फेडरल रिजर्व की मुखिया और वित्त मंत्री अकसर एक दूसरे से ब्रेकफास्ट और लंच पर मुलाकातें करते हैं और नीतियों पर चर्चा करते हैं। हालांकि भारत से इसकी तुलना करें तो परिस्थितियां काफी अलग हैं। आरबीआई गवर्नर उर्जित पटेल भले ही बहुत बयानबाजी करते नहीं दिखते, लेकिन चुपचाप ही वह आरबीआई की स्वायत्ता को ध्यान में रखते हुए काम में जुटे हैं। यहां आरबीआई गवर्नर उर्जित पटेल और मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी के सदस्य वित्त मंत्रालय के पैनल से मुलाकात से ही इनकार कर देते हैं ताकि किसी भी तरह के सरकारी दबाव से बचा जा सके। बता दें कि जून में जारी मौद्रिक समीक्षा नीति से पहले सरकार ने यह प्रयास किया था, लेकिन उर्जित ने सीधे तौर पर इनकार कर दिया।

आखिर में आरबीआई की मौद्रिक समीक्षा नीति में यथास्थिति बनाए रखने का ही फैसला लिया गया। हालांकि

सरकार के पैनल से मुलाकात करने से इनकार के फैसले को आरबीआई और केंद्र के बीच खींचतान के तौर पर देखा गया। इसके बाद बहुत से लोगों को लगा कि उर्जित पटेल आरबीआई की स्वायत्ता को लेकर कोई बयान देंगे। आरबीआई गवर्नर की सदस्यता वाली मौद्रिक नीति समिति ने फरवरी में भी सरकार के दबाव के बावजूद यथास्थिति बनाए रखने का फैसला लिया। उन्हें पता है कि कब सरकार की राय लेनी है और कब उसे विनम्रता के साथ खारिज कर देना है।

इसी का नतीजा था कि जून में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक 1999 के बाद 1.54 फीसदी के निचले स्तर पर पहुंच गया। यही नहीं अगस्त में भी आरबीआई ने भले ही रीपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट्स की कमी के बावजूद बहुत उतार-चढ़ाव नहीं किए। इस तरह उर्जित पटेल महंगाई के खिलाफ लड़ते दिख रहे हैं। फाइनैंशल इयर 2018 के पहले हाफ में उन्होंने महंगाई को 2.0-3.5त्न तक रखने का फैसला लिया है, जबकि दूसरे हाफ में 3.5-4.5त्न तक रखने का लक्ष्य है।

इससे पहले उर्जित पटेल नेपथ्य में दिख रहे थे, जब नोटबंदी के दौरान आर्थिक मामलों के सचिव शक्तिकांत दास ही स्थिति से निपटने में आगे नजर आए। कई लोगों का मानना है कि आरबीआई गवर्नर की ओर से सीधा संवाद न होने और कई भ्रम पैदा करने वाले नोट्स के चलते नोटबंदी के दौरान स्थिति हाथ से निकलती दिखी। हालांकि नोटबंदी के दौर के बाद उनके आलोचक भी शांत हैं। पटेल ने उसके बाद कई मजबूत कदम उठाकर आरबीआई गवर्नर के तौर पर अपने कद और स्वायत्ता को मजबूत किया है।

आईआईएम कोलकाता में इकॉनमिक्स के प्रफेसर पार्थ रे ने कहा, नोटबंदी के बाद आरबीआई ने सरकार की ओर से पड़ने वाले दबाव को सफलतापूर्वक झेला है। रे कहते हैं, बैड बैंक को लेकर ठंडा रुख दिखाकर पटेल ने सही काम किया है।

169 मैकडॉनल्ड्स स्टोर्स पर लटकी बंदी की तलवार

नई दिल्ली। मैकडॉनल्ड्स ने कहा है कि उसके ब्रैंड नेम और ट्रेडमार्क का उपयोग कनॉट प्लाजा रेस्ट्रॉन्ट्स लिमिटेड (सीपीआरएल) 6 सितंबर से नहीं कर सकेगी। इसका मतलब यह हुआ कि देश के उत्तर और पूर्वी इलाकों में बुधवार से मैकडॉनल्ड्स के 169 स्टोर्स पर बंदी की तलवार लटक गई है। सीपीआरएल बोर्ड दिल्ली में चल रहे 55 में से 43 मैकडॉनल्ड्स रेस्तरां को 29 जून 2017 से ही बंद कर चुका है।

मैकडॉनल्ड्स इंडिया के एक प्रवक्ता ने कहा, टर्मिनेशन नोटिस पीरियड 5 सितंबर को खत्म हो गया। लिहाजा सीआरपीएल के पास मैकडॉनल्ड्स के सिस्टम और इसके इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स के इस्तेमाल का अधिकार नहीं रह गया है। इसका अर्थ यह है कि उन्हें मैकडॉनल्ड्स के नाम, ट्रेडमार्क्स, डिजाइन, ब्रैंडिंग, ऑपरेशनल और मार्केटिंग प्रैक्टिस, नीतियों, फूड रेसिपी और स्पेसिफिकेशंस का इस्तेमाल बंद करना होगा। हम अपने लीगल और कॉन्ट्रैक्चुअल राइट्स के आधार पर कदम बढ़ा रहे हैं।

पेंशनों में ढाई गुना इजाफा करेगी मोदी सरकार?

नई दिल्ली। सरकार ने सामाजिक पेंशन योजनाओं में बड़े बदलावों का खाका तैयार कर लिया है, लेकिन अभी सरकार की नजर जीएसटी के बाद आए रेवेन्यू पर है। सरकार अभी इस उलझन में है कि क्या जीएसटी के बाद आए रेवेन्यू के भरोसे बदलावों को जमीन पर उतारा जा सकेगा। अनुमानों के मुताबिक, नैशनल सोशल असिस्टेंस प्रोग्राम जिसके तहत वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन और दिव्यांग पेंशन दी जाती है इससे बजट पर 10 से 12 हजार करोड़ का अतिरिक्त भार पड़ेगा। अभी इसका बजट 9,500 करोड़ रुपये है। पेंशन योजनाओं में इन बदलावों के बाद सरकार को करीब 22 हजार करोड़ का फंड जुटाना पड़ेगा।

सरकार ने पेंशन स्कीम की फंडिंग में भी बड़े बदलाव का खाका तैयार किया है। केंद्र सरकार अभी की तरह सारा खर्चा खुद उठाने की बजाए 40 प्रतिशत राज्य सरकार से जुटा सकती है। अगर इसमें से राज्य सरकार का हिस्सा यानी 40 प्रतिशत हटा दें, फिर भी करीब 10 हजार करोड़ का भार केंद्र सरकार पर पड़ेगा। प्रस्ताव के मुताबिक सरकार वृद्धवस्था पेंशन को 200 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर सकती है। इस तरह सरकार वृद्धावस्था पेंशन में ढाई गुना तक का इजाफा करेगी। इसमें केंद्र सरकार का योगदान 300 रुपये होगा और राज्य सरकार का 200 रुपये।

पंजाब में 27 हजार बेरोजगार युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र

मोहाली। पंजाब सरकार की महत्वाकांक्षी घर घर रोजगार योजना के तहत राज्य में 27 हजार बेरोजगार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए जिनमें तीन हजार लोगों को सरकारी पदों पर नियुक्त किया गया है. मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने मंगलवार को यहां 25 लोगों को स्वयं नियुक्ति पत्र प्रदान किया.

सिंह ने इस मौके पर करीब 2.80 लाख युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया कराने के लिए 34 सहमति पत्रों पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की. इसके अलावा उन्होंने सरकारी विभागों तथा राज्य की संस्थाओं में विभिन्न श्रेणियों में अन्य 50 हजार लोगों की तत्काल नियुक्ति की भी घोषणा की. आधिकारिक प्रवक्ता ने यह जानकारी दी.

वॉट्सऐप बिज़नस इस्तेमाल करने के देने पड़ेंगे पैसे

नई दिल्ली। फेसबुक अब वॉट्सऐप से पैसा बनाने की तैयारी में है। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने मंगलवार को एक रिपोर्ट छापी है जिसमें इस बात से जुड़ी जानकारी दी गई है। बता दें, कि वॉट्सऐप का इस्तेमाल हर रोज़ 100 करोड़ से ज्यादा लोग कर रहे हैं।

वॉट्सऐप की एक ब्लॉग पोस्ट में लिखा गया है कि वह अब कुछ नए फीचरों की टेस्टिंग करेगी जिससे लोगों को उस वक्त कम्पनियों से संवाद करने में आसानी होगी जब वे भी वॉट्सऐप पर आ जाएंगी। ब्लॉग पोस्ट में आगे लिखा है, हम छोटी कम्पनियों को फ्री वॉट्सऐप बिजनस ऐप देकर नए टूल्स तैयार कर उनकी टेस्टिंग कर रहे हैं और बड़ी कम्पनियों जैसे एयरलाइन्स, ई-कॉमर्स साइटों और बैंकों के लिए तैयारी कर रहे हैं जो इस प्लैटफॉर्म से ग्राहकों के बड़े बेस से संवाद स्थापित कर पाएंगी।

वॉट्सऐप ने एक पाइलट प्रोग्राम शुरू किया है जिसमें किसी बिज़नस कॉन्टैक्ट के नाम के आगे एक हरा बैज नज़र आएगा जिससे पता चलेगा कि वॉट्सऐप ने उक्त बिजनस सर्विस को वेरिफाई कर दिया है।

कम्पनी के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर मैड इडेमा ने वॉल स्ट्रीट जर्नल को दिए एक इंटरव्यू में माना है कि आगे जाकर वे कम्पनियों से इस सर्विस के लिए पैसा लेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक वॉट्सऐप ग्राहक बनाने के एवज में कम्पनियों से पैसा लेने की तैयारी कर रही है। 2009 में शुरू हुए वॉट्सऐप को फेसबुक ने 2014 में 22 बिलियन डॉलर की बड़ी राशि देकर खरीद लिया था। लेकिन, अब तक फेसबुक ने वॉट्सऐप में ना तो कोई बदलाव किए थे और ना ही इसके ज़रिये पैसा कमाने पर इसका फोकस था।

सुपरमैन बने बांग्लादेश के कप्तान, विकेट के पीछे उड़कर लपका कैच

नई दिल्ली। क्रिकेट के खेल में एक पुरानी कहावत है पकड़ो कैच, जीतो मैच. अगर किसी टीम के खिलाड़ी कैच टपकाते हैं तो मैच भी उनके हाथों से निकल जाता है. बांग्लादेश क्रिकेट टीम की अपनी फील्डिंग को लेकर कभी कोई खास तारीफ नहीं हुई है, लेकिन बांग्लादेश क्रिकेट ने हाल के कुछ सालों में अपनी क्षमताओं को साबित किया है. ऑस्ट्रेलिया को पहले टेस्ट मैच में 20 रनों से हराकर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया समेत पूरी दुनिया को दिखाया कि उनमें किसी भी विश्वस्तरीय टीम को हराने की क्षमता है.

दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में बांग्लादेश के कप्तान और विकेटकीपर मुशफिकुर रहीम ने 68रनों की शानदार

पारी खेली. इसके बाद विकेट के पीछे उन्होंने मैट रेनशॉ को आउट करने के लिए एक शानदार कैच पकड़ा. यह मुस्ताफिजुर रहमान के करियर के सर्वश्रेष्ठ गेंद नहीं थी, लेकिन इस गेंद पर जो कैच रहीम ने पकड़ा वह उनके करियर का एक बेहतरीन कैच था.

रहमान ने रेनशॉ को लेग पर गेंद फेंकी. रेनशॉ ने इस स्केवयर लेग की तरफ खेलना चाहा. गेंद ने ऑस्ट्रेलियन ओपनर के बल्ले का एक मोटा किनारा लिया. रहीम ने अपने दायीं ओर हवा में उछलते हुए इस गेंद को एक हाथ से अपने दस्ताने में कैद कर लिया.

बता दें कि चटगांव में ऑस्ट्रेलियन पारी के केवल चार ओवर फेंके गये थे. बांग्लादेश खुश था कि उन्होंने चार ओवर में एक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को पवेलियन भेजन में सफलता हासिल कर ली थी. इससे पहले रहीम ने उस समय शानदार 68रनों की पारी खेली जब उनकी टीम संकट में थी. बांग्लादेश के कप्तान रहीम ने शब्बीर रहमान के साथ 115 रनों की साझेदारी की जिसकी बदौलत बांग्लादेश 305 रन बना पाया, लेकिन मैच के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट खोकर 225 रन बना लिए थे.

डेविड वार्नर 88 और हैंड्सकोंब 69 रनों पर नाबाद थे. ऑस्ट्रेलिया जानता है कि यदि इस मैच में उन्हें अपनी पकड़ मजबूत बनानी है तो उन्हें हर हालत में लीड लेनी होगी, नहीं तो उसके लिए चौथी पारी में रन बनाना काफी मुश्किल हो जाएगा. बांग्लादेश पहला टेस्ट मैच जीत कर पहले ही उत्साह में है. वह ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट सीरीज जीतने की हर संभव कोशिश करेगी.

गौरतलब है कि सीरीज के शुरू होने से पहले बांग्लादेश के कप्तान मुशफिकुर रहीम ने दावा किया था कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज में उनकी टीम घरेलू परिस्थितियों का भरपूर फायदा उठाते हुए जीत भी दर्ज कर सकती है. उन्होंने कहा था कि अगर वे सही तरह से योजना लागू करते हैं, तो ऑस्ट्रेलिया को हराया भी जा सकता है.

रहीम ने कहा था कि, ईमानदारी से कहूं, अगर हम अपना श्रेष्ठ क्रिकेट खेलें, तो विश्व की किसी भी टीम को हरा सकते हैं क्योंकि हमारे अंदर वो क्षमता है. अगर हम अपनी क्षमताओं के अनुरूप खेलते हुए घरेलू परिस्थितियों का उपयोग करें, तो मुझे नहीं लगता कि ऑस्ट्रेलिया को हराना असंभव है.